भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 214
10 दिसम्बर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम
***214. श्री थारनिवेंथन एम. एस.:**
क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम/योजना का ब्यौरा क्या है;
(ख) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान तमिलनाडु में इस कार्यक्रम के तहत संस्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान तमिलनाडु में इस कार्यक्रम के तहत कितने किसानों को नामांकित किया गया है;
(घ) देश भर में इस कार्यक्रम के तहत अब तक निर्धारित लक्ष्यों और प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है तथा इसके उद्देश्य और लक्ष्य क्या हैं;
(ङ) क्या सरकार ने इस योजना में कुछ संशोधन/सुधार किया है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (च) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम" के संबंध में दिनांक 10.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 214 के भाग (क) से (च) के संबंध में विवरण।

(क): सरकार द्वारा वर्ष 2015 से मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना कार्यान्वित कर रही है, जिसके अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) जारी किए जाते हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैविक खाद और जैव-उर्वरकों के साथ-साथ उर्वरक, सेकेंडरी एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देते हैं। मिट्टी के नमूनों को मानक प्रक्रियाओं के माध्यम से संसाधित किया जाता है और 12 मापदंडों जैसे पीएच, विद्युत चालकता, जैविक कार्बन, उपलब्ध नाइट्रोजन, फोस्फोरस, पोटेसियम, सल्फर और सूक्ष्म पोषक तत्वों (जिंक, कॉपर, आयरन , मैंगनीज और बोरॉन) के संबंध में विश्लेषण किया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड निम्नलिखित के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं:

- मिट्टी के पोषक तत्वों की स्थिति
- मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता में सुधार हेतु उर्वरकों की उचित खुराक और प्रकार के संबंध में सिफारिशें

(ख) एवं (ग): पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान तमिलनाडु में इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत, आवंटित, उपयोग की गई धनराशि और नामांकित किसानों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	**आवंटन (रुपये लाख में)**	**स्वीकृत/जारी की गई निधि (रुपये लाख में)**	**उपयोग की गई निधि (रुपये लाख में)**	**नामांकित किसानों की संख्या (मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) पोर्टल के अनुसार)**
2021-22	294.00	राज्य सरकार द्वारा व्यय विभाग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन लंबित रहने के कारण धनराशि जारी नहीं की जा सकी।		
2022-23	999.49	499.74	499.74	134050
2023-24	1602.00	1602.00	1586.67	250386
2024-25	927.00	352.00	234.67	338600
कुल	**3822.49**	**2453.74**	**2321.08**	**723036**

घ): मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना देश के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के लिए शुरू की गई थी, जिसके उद्देश्य और लक्ष्य निम्नानुसार हैं:

- देश के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करना ताकि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के संबंध में मृदा परीक्षण आधारित सिफारिशें जारी करके उर्वरक के उपयोग में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए एक आधार प्रदान किया जा सके।
- मृदा स्वास्थ्य एवं इसकी उर्वरता में सुधार के लिए जैविक खाद और जैव-उर्वरकों के साथ-साथ सेकेंडरी और सूक्ष्म पोषक तत्वों सहित रासायनिक उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के माध्यम से एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) को बढ़ावा देना।
- कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए), कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), कृषि सखियों आदि के माध्यम से किसानों को एडवायजरी/दिशानिर्देश प्रदान करना।
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड डेटा का उपयोग करके गाँव की मिट्टी की उर्वरता का मानचित्र तैयार करना।

वर्ष 2014-15 से अब तक देशभर में 24.60 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत देशभर में 1068 स्टेटिक मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएँ, 163 मोबाइल मृदा परीक्षण

प्रयोगशालाएँ, 6376 लघु मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएँ तथा 665 ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं। किसानों को शिक्षित करने के लिए अब तक देशभर में 6.8 लाख प्रदर्शन, 93781 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 7425 किसान मेले आयोजित किए गए हैं।

(ड.) एवं (च): उपर्युक्त योजना को संशोधित करने/नया रूप दिए जाने का विवरण इस प्रकार है:

i. योजना को किसान-हितैषी बनाने के लिए, मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल को निम्नलिखित विशेषताओं के साथ नया रूप दिया गया है:

- वर्ष 2023-24 के दौरान मिट्टी के नमूने एकत्र करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन की शुरुआत की गई।
- राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर डैशबोर्ड की शुरूआत की गई।
- मिट्टी के नमूने एकत्र करने और उसके परीक्षण तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने के बारे में तत्काल जानकारी उपलब्ध कराना।
- इस पोर्टल से किसान अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।
- नीति निर्माताओं का मार्गदर्शन करने के लिए इस पोर्टल पर उर्वरक प्रबंधन, पोषक तत्व डैशबोर्ड, पोषक तत्वों के हीट मैप बनाने की शुरुआत करना।
- मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किसानों के खेत के जियो-कोर्डिनेंट को कैप्चर करना, जहाँ से नमूने एकत्र किए जाते हैं।
- क्यूआर कोड सक्षम नमूना संग्रहण की शुरुआत करना।
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल पर सभी मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं को शामिल करना।

ii. इसके अलावा, इस योजना को निम्नलिखित विशेषताओं के साथ संशोधित किया गया है:

- मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित करने के लिए नागरिक चार्टर पेश किया गया है।

मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना का विकेंद्रीकरण किया गया है- उद्यमी, स्व-सहायता समूह (एसएचजी), प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पीएसी), कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) आदि मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं चला सकते हैं।

iii. 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 1020 स्कूलों (केंद्रीय विद्यालय- 210, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय- 401, जवाहर नवोदय विद्यालय- 299, और राज्य सरकार के स्कूल- 110) के स्कूली छात्रों को शामिल करने के लिए स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया गया है। शिक्षकों और छात्रों को नमूना संग्रहण, परीक्षण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सिफारिशों के बारे में किसानों को सलाह देने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। कृषि विश्वविद्यालय के स्नातक (ग्रेजुएशन), स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) और डिप्लोमा तथा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम (आरएडब्ल्यूई) इंटर्नशिप के फील्ड इंटर्नशिप पाठ्यक्रम में मृदा परीक्षण और एडवायजरी को अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है।

****